

आइसीएमआर की स्टडी: टीकों की कमी से निपटने में मिलेगी मदद कोविशील्ड-कोवैक्सीन की मिश्रित खुराक सुरक्षित के साथ असरदार

**कोरोना से मिलेगी
बेहतर प्रतिरक्षा**

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. कोविड के टीकों की कमी से जूझ रहे देश के लिए एक राहत भरी खबर है। कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए भारत में दिए जा रहे टीकों कोवैक्सीन और कोविशील्ड को यदि मिलाकर दिया जाए तो वायरस के खिलाफ बेहतर

स्वामीनाथन ने बताया खतरनाक

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की मुख्य वैज्ञानिक सौम्या स्वामीनाथन ने जुलाई में कोविड वैक्सीन को मिक्स-मैच करने के प्रयास को खतरनाक टेंड बताया था। उन्होंने कहा था कि इस संबंध में अभी तक हमारे पास काफी कम जानकारी है। स्वामीनाथन का मानना था कि यदि लोगों को इसकी छूट दे दी गई कि दूसरे, तीसरे या चौथे डोज में किसी भी वैक्सीन का प्रयोग कर सकते हैं, तो इससे काफी अराजकता की स्थिति उत्पन्न हो जाएगी।

प्रतिरक्षा (एंटीबॉडी) तैयार होती है। अध्ययन के बाद ऐसा दावा किया है। इसका कोई दुष्प्रभाव भी नहीं होता है। टीकों को मिक्स-मैच करने के संभावित असर पर लंबे समय से रिसर्च (आइसीएमआर) ने एक विवाद था। पढ़ें कोविशील्ड @ पेज 17

पेज एक का शेष...

कोविशील्ड...

अब आइसीएमआर ने रविवार को स्थिति साफ कर दी है। मई और जून में आइसीएमआर ने यूपी में स्टडी की थी। 98 लोगों पर अध्ययन किया गया। इनमें 18 लोगों ने अनजाने में टीके की पहली खुराक कोविशील्ड और दूसरी कोवैक्सीन की ली थी। इससे उनमें बेहतर रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित हुई। यह पहला अध्ययन है, जिसमें दो अलग-अलग टीकों के असर की जानकारी दी गई।

इस अध्ययन की भी सिफारिश... सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन (सीडीएससीओ) की विषय विशेषज्ञ समिति ने कोविशील्ड और कोवैक्सीन के टीकों को मिक्स-मैच करने के संभावित नतीजों का अध्ययन करने की सिफारिश की थी। सीडीएससीओ ने कोवैक्सीन और नेजल वैक्सीन के मिक्स-मैच पर अध्ययन की सिफारिश भी की है।

स्टडी की गहन समीक्षा बाकी : अध्ययन में पाया गया कि

एडेनोवायरस वैक्टर आधारित वैक्सीन के बाद यदि निष्क्रिय वायरस से तैयार वैक्सीन ली जाए तो सुरक्षित और बेहतर प्रतिरक्षा मिलती है। यह भी सुझाव दिया गया कि मिश्रित वैक्सीन देने से टीकों की कमी से जूझ रहे राज्यों को सहूलियत होगी। हालांकि इस स्टडी की अभी गहन समीक्षा होनी बाकी है।